



दादा भ० के दस नियम

दादा भ० ने कहा - आप ये ज्ञान लीजिये तो सबसे पहले आपको अपने अंदर कुछ बदलाव लाने होंगे जो आपकी जिन्दगी के लिये इसलिये जरूरी है ताकि मैं प० अपनी property यानि ज्ञान, सुख, प्रेम, पवित्रता, शान्ति, आनन्द, खुशी भरपूर दे सकूँ। कृप्या इन दस नियमों का पालन कीजिये:-

1. चिंता छोड़ दो

तुम्हारी जिन्दगी में बहुत सारी समस्याएँ हैं, तुम बैठ कर उनके बारे में सोचते रहते हो, क्या तुम भूल गये हो कि मैं तुम्हारे कितने पास हूँ, तुम्हारे सारे बोझ, सारी समस्याओं को लेने के लिये, फिर भी तुम्हें इनमें घिरे रहने में खुशी मिलती है।

2. सभी समस्यायें मेरी list में डाल दो

मैं सुलझाऊँगा, तुम्हारी इच्छाओं को पूरी करूँगा। चाहे list कितनी भी लम्बी क्यों न हो - तुम मुझे कैसा भी कार्य दोगे क्या मैं नहीं कर सकता? मैं भगवान हूँ मैं सब कुछ कर सकता हूँ - तुम्हें पता भी नहीं चलेगा।

3. मुझ पर विश्वास रखो

सच्चाई से तुमने सारे बोझ मुझे दे दिये तो please वापिस मत लो। विश्वास रखो - मैं चाहे तुम्हारे बच्चों, सम्बन्धियों, पैसे या परिवार से सम्बन्धित किसी भी समस्या हो, मैं तुम्हारी हर कोशिश सफल करूँगा।

4. अपने को समर्पित कर दो

तुम अपने को शक्तिशाली महसूस करते हो कि तुम हर परिस्थिति का सामना कर सकते हो। तुम्हें ऐसा इसलिये feel हो रहा है क्योंकि तुम मेरे प्रति समर्पित हो गये हो और मैं ही तुम्हारी सारी शक्ति को बढ़ाता हूँ, तुम्हें अपनी छत्रछाया में रखता हूँ और तुम भूल जाते हो, आज मैं तुम्हारे सारे बोझ तुम्हें वापिस दे दूँ तो तुम अपने को वहीं खड़ा पाओगे - जहाँ से तुम चले थे। इसलिये तुम समर्पित हो जाओ और मुझे अपन काम करने दो।

5. मुझसे बात करो

एक बात का मैं तुमसे वादा चाहता हूँ - बोलो दोगे? बताओ? कभी मुझसे बात करना मत छोड़ना। मैं तुमसे प्यार करता हूँ - तुम्हारी आवाज़ सुनना चाहता हूँ, तुम्हारी ज़िन्दगी में जो घट रहा है - उसमें मुझे शामिल कर लो। मैं तुम्हारा सबसे प्यारा दोस्त बनना चाहता हूँ।

6. विश्वास रखो

मैं यहाँ से बहुत सारी चीज़ें देख सकता हूँ जो तुम वहाँ से देख नहीं सकते। सिर्फ़ मुझ पर विश्वास रखो।

7. बाँटो

जब तुम 2 साल के थे - तुम्हें बाँटना सिखाया गया था। अपनी उमंग, उत्साह, खुशियाँ उन लोगों के साथ बाँटो जो निराश हैं - उत्साह-हीन हो गये हैं, जीना भूल गये हैं उनके साथ हँसी बाँटो, तुम्हारा कुछ घटेगा नहीं, बढ़ता जायेगा।

8. सब्र करो

मैंने तुम्हारी ज़िन्दगी को इस तरह से बनाया है तुम अलग से अनुभव कर सको। तुम बच्चे से युवा हुए, शादी हुई, कितने ही अनुभव तुमने इकट्ठे किये, फिर तुम अपना धैर्य क्यों खो देते हो? किसी कार्य को करने में मुझे समय लग रहा है तो इतना उतावलापन क्यों? क्या मुझे मेरे कर्तव्यों का ज्ञान नहीं? मेरे timings में विश्वास रखो, मैं पूरा perfect हूँ, कच्चा फल नहीं दे सकता, पूरा पका कर ही दूँगा। मैं विश्वकर्मा हूँ तो क्या तुम्हारे कार्य नहीं कर सकता?

9. रहमदिल बनो

दूसरों के प्रति रहमदिल बनो क्योंकि मैं उनसे भी उतना ही प्यार करता हूँ - जितना तुम मुझसे करते हो - मैं तुमसे करता हूँ। तुम सबको अलग-2 बनाया है - तुम्हारी अलग-2 विशेषताओं से भी मुझे प्यार है।

10. अपने आप से प्यार करो

मैंने तुम्हें प्यार लेने प्यार देने के लिये बनाया है। तुम सबको प्यार करो और अपने को भी प्यार करो। मेरा दिल दुखता है जब मैं देखता हूँ कि तुम अपने से गुस्सा हो जाते हो - तुम्हारे अनुसार स्थिति ना होने पर। तुम मेरे लिये कितने कीमती हो- ये कभी मत भूलना।

ओम्

